B.A Part-2 (Psy. Subsidiary) Topic- Mental Retardation.
Dr. Prabha Shree (Guest Faculty, Deptt of Psychology, Vaishali Mahila College, Hajipur)

मानसिक दुर्बलता के अर्थ एवं स्वरूप

(Meaning and Nature of Mental Retardation)

मानसिक दुर्बलता या मंदन (Mental Retardation), को मानसिक न्यूनता (Mental Deficiency) भी कहा जाता है। The American Association of mental retardation (1952) के अनुसार, "मानसिक दुर्बलता का संबंध वर्तमान क्रियावाही में पर्याप्त परिसीमाओं से होता है। इसमें सार्थक रूप से अधोऔसत बौद्धिक क्रिया होती है तथा निम्नांकित उपयुक्त समायोजी कौशल क्षेत्रों में से दो या दो से अधिक में

संबंधित परिसीमाएं साथ-साथ होती हैं- संचार, आत्म-देखरेख, घरेलू जिंदगी, सामाजिक कौशल, सामुदायिक अनुप्रयोग, आत्म-दिशा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कार्यात्मक शिक्षा, अवकाश एवं कार्य। मानसिक दुर्बलता 18 साल की आयु के पहले ही अभिलक्षित होती है।"

इस परिभाषा से बहुत अधिक प्रभावित होकर DSM-IV (1994) में भी मानसिक दुर्बलता की परिभाषा लगभग इस प्रकार दी गयी है। DSM-IV के इस परिभाषा को डेभिसन एवं नील (Davison & Neale, 1996) के शब्दों में इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं-

"DSM-IV में मानसिक दुर्बलता को समायोजी व्यवहार में कमी के साथ सार्थक रूप से अधोऔसत बौद्धिक कार्यवाही के रूप में

परिभाषित किया जाता है तथा यह 18 वर्ष की आयु से पहले अभिलक्षित हो जाता है।"

- **मानसिक दुर्बलता में व्यक्ति का बौद्धिक कार्यवाही सार्थक रूप से अधोऔसत (subaverage) होता है। DSM-IV के कसौटी के अनुसार ऐसे व्यक्ति की बुद्धिलब्धि 70 से नीचे होता है।**
- **व्यक्ति अपने उम्र के अनुसार वर्तमान समायोजी व्यवहार को नहीं कर पाता है तथा कम से कम इन क्षेत्रों में से दो में व्यक्ति की प्रभावशीलता काफी चिंताजनक होती है- संचार, आत्म देख-रेख, घरेलू जीवन, सामाजिक कौशल, सामुदायिक प्रयोग, आत्म-निदेश, कार्यात्मक शैक्षिक कौशल, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा।**

- इस तरह की मानसिक दुर्बलता की शुरुआत अर्थात इसके लक्षण 18 साल की आयु के पहले ही प्रारंभ हो जाता है। स्वभावत: तब इस श्रेणी में उन लोगों को नहीं रखा जाता है जिनमें मानसिक दुर्बलता के लक्षण 18 साल की आयु के बाद किसी विशेष कारण जैसे मस्तिष्क क्षति (brain injury) या रोग से हुआ होता है।